two thirds of the deficit on merchandise accounts of 1987-88.

(c) and (d) The foreign exchange reserves declined from Rs. 7145 crores as on 1-1-1988 to Rs. 6313 crores as on 30-12-1988. The decline in reserves, as per available indications is due primarily to sharp increase in international prices of some of the major bulk commodities like steel, non-fer/ous metals, petrochemicals and other imports; increase in import of petroleum products, fertilizers and steel; imports of wheat, rice and other items necessitated by the unprecedented drought of last year and lower net receipts of aid and higher repayments to the IMF as compared to last, year.

A Special Action Plan drawn by Government for Balance of Payments turnaround aims at measures to generate additional exports, contain imports and augment foreign exchange earnings through NR1 Deposits/Bonds additional direct/indirect investments and increased tourism receipts.

Ex-gratia payments to November, 1984 riot victims

239. SARDAR JAGJIT SINGH AURORA: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that 'November, 84 RiotVictims Association, Janakpuri, New Delhi' has represented to Govern ment that ex-gratia payments to Nov.' 84 riot victims is not being paid in some cases as per decision of the Home Minis try i.e. 50 per cent of the estimated losses or Rs. 50,000/- maximum for each busi ness establishment;

(b) whether it is also a fact that ex-gratia amount recommended by the Claims Settlement Officers is being cur tailed/reduced arbitrarily by the next officers without assigning any reasons in D.C. Office;

(c) if so, what are the reasons therefor and what action has been taken on the representations of the above named Association in order to remove the hardships of riot victims; and

(d) how much time is likely to be taken by Government to decide all these cases?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SANTOSH MOHAN DEV): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise.

(d) About one month.

आयात और निर्यात के अन्तर में वृद्धि

240. **श्री राम जेठमलानी :**
श्री राम नरेश यादव :

क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चालू वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों की अवधि के दौरान पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में आयात और निर्यात के बीच के अन्तर में वृद्धि हुई है;

(ख) यदि हां, तो पिछले वर्ष और इस वर्ष के पहले सात महीनों की अवधि में देश के आयात और निर्यात की मात्रा क्रमशः कितनी-कितनी थी;

(ग) अन्तर में वृद्धि का कारण निर्यात में कमी होना है या अधिक आयात होना है; और

(घ) क्या आयात में वृद्धि हुई है; और यदि हां, तो किन-किन वस्तुओं का, उनकी मात्रा सहित, आयात किया गया?

वाणिज्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० आर० दासमुंशी) : (क) अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष के पहले सात महीनों, अर्थात् अप्रैल-अक्तूबर, 1988 के दौरान भारत का व्यापार घाटा 4936.45 करोड़ रु० का था, जबकि अप्रैल-अक्तूबर, 1987 के दौरान यह 3483.98 करोड रू० था।

(ख) और (ग) अनन्तिम आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-अक्तूबर, 1988 के दौरान भारत के निर्यात 10624.62 करोड़ रु० के रहे, जबकि अप्रैल-अक्तूबर, 1987 के दौरान ये 8707.74 करोड़ रु० के थे, इस प्रकार इनमें 22.0% की वृद्धि हुई, इसी समय अप्रैल-अक्तूबर, 1988 के दौरान भारत के आयात

15561.07 करोड़ रु० के रहे, जबकि अप्रैल-अक्तूबर, 1987 के दौरान ये 12191.72 करोड़ रु० के थे इस प्रकार इनमें 27.6 की वृद्धि हुई।

(घ) भारत के आयातों के वस्तु-वार ब्यौरे केवल अप्रैल-सितम्बर, 1988 तक उपलब्ध हैं। अप्रैल-सितम्बल र,1987 की तुलना में अप्रैल-सितम्बर 1988 के दौरान प्रमुख वस्तुओं के आयातों को दशनि वाला एक विवरण संलग्न है। [देखिए परिशिष्ट 149, अनुपत्र सं० 9]

रुपए की कीमत

241.**श्री राम जेठमलानी:**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि भारतीय रुपए की क्रय शक्ति लगातार प्रतिवर्ष कम होती जा रही है;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि 1960 को आधार वर्ष मानते हुए सितम्बर, 1988 में भारतीय रुपए का मूल्य घट कर 12.91 पैसा रह गया था; और

(ग) क्या यह भी सच है कि 1988 के वर्ष में औद्योगिक और कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई; यदि हां, तो इस वृद्धि के बावजूद भारतीय रुपए की क्रय शक्ति में इस सीमा तक कमी होने के क्या कारण हैं?

वित्त मंत्रालय में आर्थिक कार्य विभाग में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) से (ग) औद्योगिक कर्मचारियों के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के क्युत्क्रम के रूप में आकलित रुपए की क्रय शक्ति सूचकांक में वृद्धि होने के कारण पिछले वर्षों के दौरान कम हुई है। आधार वर्ष 1960 से तुलना करते हुए भारतीय रुपए की क्रय शक्ति सितम्बर, 1988 में कम होकर 12.41 पैसे थी। तथापि, रुपए की क्रय शक्ति में कमी आने से आम आदमी के हित पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है क्योंकि इसके साथ-साथ प्रतिव्यक्ति आय में अधिक तेजी से वृद्धि हुई है।

कृषि और औद्योगिक उत्पादन दोनों पर ही 1987-88 के सूखे के कारण धक्का लगा है जिससे 1988 के दौरान बहुत सी आवश्यक वस्तुओं की पूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। मूल्यों में वृद्धि का मुख्य कारण पूर्ति और मांग में असंतुलन होना है। भारत जैसे विकासशील देश में यद्यपि उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन मौसम की स्थितियों से प्रभावित होता है, तथापि जनसंख्या और आय में वृद्धि होने के कारण इन वस्तुओं की मांग बढ़ती जाती है।

पंजाब में हत्याएं

242. **श्री राम जेठमलानी:**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पंजाब में लगातार प्रतिदिन हत्याएं हो रही हैं;

(ख) यदि हां, तो राष्ट्रपति शासन के दौरान अब तक पंजाब में कुल कितने व्यक्तियों की हत्याएं हुईं, उनमें सैनिकों, बेकसूर नागरिकों और आतंकवादियों की संख्या कितनी-कितनी है तथा इस संबंध में अब तक कितने व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है; और

(ग) क्या सरकार पंजाब में लगातार हो रही हत्याओं की संख्या में वृद्धि को देखते हुए वहां के प्रशासन में भारी फेरबदल करने का विचार रखती है; और यदि नहीं तो इसके क्या कारण हैं?

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० चिदम्बरम्): (क) और (ख) 12 मई, 1987 से 31 जनवरी, 1989 तक की अवधि के दौरान आतंकवादी हिंसक घटनाओं में व्यक्ति मारे गए हैं। इस अवधि के दौरान 696 आतंकवादी मारे गए हैं और 6788 गिरफ्तार किए गए हैं।

(ग) पंजाब की स्थिति की लगातार पुनरीक्षा की जा रही है तथा राज्य में आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए समय-समय पर उपाय किए जाते हैं।

Recommendations made at the conference held on stopping clandestine import of hazardous waste

243. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of ENVIRONMENT AND FORESTS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a two-day Conference of officials of States and Union Territories on management of hazardous and waste substances and pollution control was held recently which made strong recommendations for stopping the clandestine import of hazardous waste;

(b) if so, what were the other recommendations made at the Conference; and